सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 216 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

आप मित्र बदल सकते हैं पर पड़ोसी नहीं।
-अटल बिहारी वाजपेयी

लिटन दास के अर्धशतक से बांग्लादेश... 7
उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद भी चले... 3
देश में वोट चोरी करके सरकार... 2

# मानहानि मामले में कंगना को सजा मिलना तय

## सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी तरह की राहत देने से मना किया

» कंगना ने किसान आंदोलन में की थी टिप्पणी- यह वही बिलकिस बानो दादी है जो शाहीन बाग प्रदर्शन का हिस्सा थी

» मथुरा मामला नार्मल चलेगा

» खालिद उमर केस मे सुनवाई टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाईयों को अहम दिन रहा। सुप्रीम कोर्ट में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले की सुनवाई हुई। वहीं बीजेपी सांसद कंगना रनौत को मानहानि के मुकदमें मे कोर्ट ने इतनी फटकार लगाई कि उन्हें अपना मुकदमा ही वापस लेना पड़ा। मानहानि मामले में फिल्म अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली।

सुप्रीम कोर्ट ने शिकायत रद्द करने से जुड़ी उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जिसके बाद कंगना ने अपनी याचिका वापस ले ली। 2020-21 के किसान आंदोलन के दौरान कंगना रनौत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला कोर्ट में था। कंगना पर आरोप है कि उन्होंने महिला किसान महिंदर कौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद महिंदर कौर ने कंगना के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। सांसद ने इस शिकायत को रद्द करने के लिए चंडीगढ़ हाईकोर्ट का रुख किया लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

### भाजपा सांसद को जमकर लगी फटकार

**2020-21** में अपमानजनक टिप्पणी करने का कोर्ट में था मामला।

### ट्वीट पर टिप्पणी करने से कोर्ट का इंकार

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा कि हम आपके ट्वीट पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे इससे ट्रायल पर असर पड़ेगा। ये सिर्फ एक साधारण री-ट्वीट नहीं था इसमें आपकी टिप्पणी भी शामिल थी। इसके बाद कंगना के वकील ने कोर्ट से याचिका वापस ले ली। कंगना रनौत ने किसान आंदोलन के दौरान अपने रिट्वीट में महिंदर कौर की फोटो शेयर की थी और लिखा था कि यह वही बिलकिस बानो दादी है जो शाहीन बाग प्रदर्शन का हिस्सा थी।

## हाईकोर्ट से पहले ही मामला हो चुका है खारिज

इससे पहले पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 1 अगस्त को कंगना रनौत की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता एक सेलिब्रिटी हैं और उन पर गंभीर आरोप हैं कि उनके रीट्वीट में लगाए गए झूठे और मानहानिकारक आरोपों से प्रतिवादी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इससे न केवल उनकी छवि दूसरों की नजरों में कमजोर हुई है बल्कि उनकी खुद की नजर में भी धक्का लगा है। इसलिए प्रतिवादी द्वारा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए शिकायत दर्ज करना दुर्भावनापूर्ण नहीं माना जा सकता।

## खालिद उमर केस की सुनवाई 19 को

सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा और मीरान हैदर की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 19 सितंबर तक स्थगित कर दी है। अदालत ने कहा कि उन्हें फाइलें देर से मिलीं। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील में दो सितंबर के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गयी थी जिसमें खालिद और इमाम सहित नौ लोगों को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि नागरिकों द्वारा प्रदर्शनों की आड़ में षड्यंत्रकारी हिंसा की अनुमति नहीं दी जा सकती। जिनकी जमानत खारिज की गई उनमें खालिद, इमाम, फातिमा, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और शादाब अहमद शामिल हैं। एक अन्य अभियुक्त तस्लीम अहमद की जमानत याचिका दो सितंबर को उच्च न्यायालय की एक अलग पीठ ने खारिज कर दी थी।

# भाजपा की साजिशों से रहें सावधान : अखिलेश यादव

» आगरा, मथुरा और हाथरस के लिए अलग-अलग घोषणापत्र लाएगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वोट चोरी के आरोप के बीच सपा प्रमुख ने एकबार फिर भाजपा को घेरा है। विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने कार्यकर्ताओं को भाजपा की साजिशों के प्रति सावधान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र के विरुद्ध चुनावों में धांधली की योजना बनाने की रणनीति पर काम करने में जुट गई है।

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में आगरा, हाथरस एवं मथुरा के विकास के लिए तमाम योजनाएं शुरू की गई थी, जो भाजपा सरकार में अब बर्बाद हो गई हैं। समाजवादी पार्टी का 2027 के चुनावों में इन तीनों जनपदों का अलग घोषणा पत्र होगा जिसमें नई विकास योजनाओं की घोषणा होगी। वह राज्य मुख्यालय में आगरा, मथुरा और हाथरस जनपदों के पदाधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना से समाज के सभी वर्गों को उनकी संख्या के आधार पर हक और सम्मान मिल सकेगा। पीडीए की ताकत से भाजपा घबराई हुई है। अखिलेश ने कहा कि मतदाता सूची में कोई गड़बड़ी न हो, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। वोट बनवाने, वोट डलवाने के साथ इस पर भी निगाह रखनी है कि अपने लोगों को वोट कटने न पाए। बैठक में सांसद रामजी लाल सुमन, बाबू सिंह कुशवाहा और देवेश शाक्य सहित राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय लाठर, रामऔतार सैनी और आरएस कुशवाहा मौजूद थे।

## मथुरा की पवित्रता बनाए रखना जरूरी

उन्होंने कहा कि आगरा व मथुरा इंटरनेशनल सिटी है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में भी उसकी प्रमुखता से गणना होती है। मथुरा भी विश्व स्तर पर जाना पहचाना नाम है। भगवान कृष्ण का जन्म स्थान है। वहां की पवित्रता बनाए रखना है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ही नहीं, शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बहुत गिरावट है।

# अपराधियों को मिल रहा है सत्ता पक्ष का संरक्षण : तेजस्वी यादव

» राजद कार्यकर्ता की हत्या के बाद राजद व राजग में रार

» नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजधानी पटना में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव के निर्वाचन क्षेत्र के एक पार्टी कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान वैशाली जिले के राघोपुर निवासी राज कुमार उर्फ अला राय के रूप में हुई है। इस घटना के बाद राजद और राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा नीत राजग के बीच विवाद छिड़ गया है।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि अपराधियों को सत्ता पक्ष का संरक्षण प्राप्त है और राज्य के अपराधी उप-मुख्यमंत्रियों के घरों में बैठकर हमलों की योजना बनाते हैं। उनका इशारा उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी की ओर था। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समझ खत्म हो चुकी है। वहीं पटना पूर्वी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) परिचय कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि घटना राजेंद्र नगर इलाके में रात करीब 10 बजे हुई। सूचना मिलने पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और पीड़ित को नजदीकी अस्पताल ले गया, जहां उसकी मौत हो गई। एसपी ने बताया ,'' घटनास्थल से छह कारतूस बरामद किए गए हैं। हमें संदेह है कि घटना में दो से ज़्यादा लोग शामिल थे। '' एसपी ने कहा कि हत्या के पीछे का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि वह राजनीति और ज़मीन के कारोबार से जुड़ा था।

### बिहार की जनता अच्छी तरह जानती हत्या के पीछे कौन : सम्राट चौधरी

पत्रकारों ने जब सम्राट चौधरी से यादव के आरोप के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि बिहार की जनता अच्छी तरह जानती है कि राघोपुर में किसका हित है और अगर इलाके के किसी व्यक्ति की हत्या होती है तो किसे फायदा होगा। उन्होंने कहा कि लालू जी और उनका परिवार सभी प्रकार के हत्यारों और अपराधियों को संरक्षण देने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन बिहार में अब उनका शासन नहीं है। चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन वाली सरकार इस हत्या की जड़ तक पहुंचेंगी और दोषियों को सजा दिलाएगी।

# आतंकवादी हमले के बाद मैच खेलना अनुचित : वारिस पठान

» भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर भड़के एआईएमआईएम नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रवक्ता वारिस पठान ने आगामी एशिया कप 2025 के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की और भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच का बहिष्कार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद यह मैच खेलना अनुचित है।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रि केट मैच खेलने को कोई भी उचित नहीं ठहरा सकता। पठान ने मैच आयोजित करने के लिए भारतीय क्रि केट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की भी आलोचना की। पठान ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देता है और हमारे देश ने इसका सामना किया है। हमने 26/11, पुलवामा, पहलगाम जैसी घटनाएं देखीं, जहाँ

आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर लोगों की हत्या की और हमने अपनी बहनों का सिंदूर मिटा दिया। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के रूप में जवाबी कार्रवाई की और पाकिस्तान के भीतर आतंकी ठिकानों पर हमले किए। भारत के प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया भर में यह प्रचार किया कि पाकिस्तान कैसे आतंकवाद का समर्थन करता है और उसे एफटीएफ में शामिल किया जाना चाहिए। पाकिस्तान के साथ व्यापार और पानी की आपूर्ति रोकने के भारत के जवाबी कदम पर प्रकाश डालते हुए एआईएमआईएम नेता ने कहा, हमने तो उनकी मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों पर भी प्रतिबंध लगा दिया, फिर हमारा देश उनकी टीम के खिलाफ क्यों खेल रहा है? हम पहलगाम के पीड़ितों को क्या जवाब देंगे? भारत को इस मैच का बहिष्कार करना चाहिए और ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं यह मैच नहीं देखूंगा।

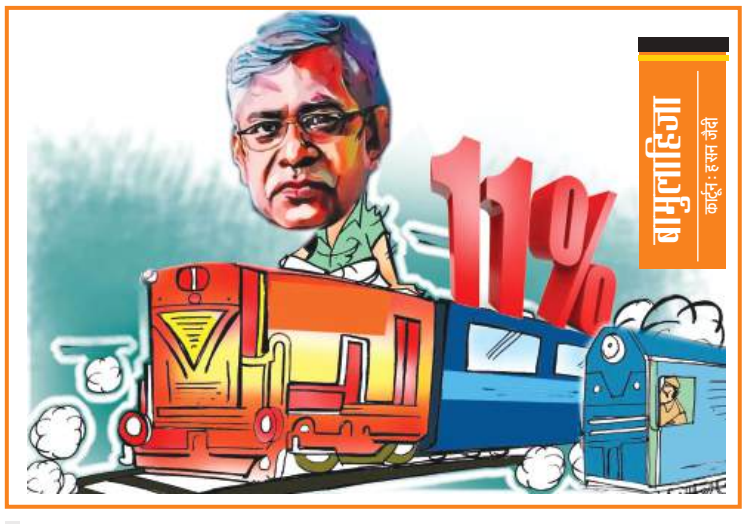


# हैदर कैनाल की गरीब बस्ती को बचाने सड़क पर उतरी आजाद समाज पार्टी

» कहा, प्रदेश सरकार की विकास परियोजना कांशीराम स्लम एरिया मालिकाना हक योजना के प्रावधानों का भी उल्लंघन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गयासुद्दीन हैदर कैनाल बस्ती तोड़ने के आदेश के खिलाफ आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने परिवर्तन चौक पर प्रदर्शन किया। यहां से विधानभवन कूच कर रहे लोगों को पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोका।

प्रदर्शनकारियों ने विकास के नाम पर सात लाख लोगों को उजाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर विस्थापित न करने की मांग की प्रदर्शनकारियों की अगुवाई कर रहे पार्टी के प्रदेश सचिव अनिकेत धानुक ने कहा, इलाके में लोग 100 वर्षों से रह रहे हैं। यहां की 90 फीसदी आबादी मेहनतकश, दलित और गरीब वर्ग से आती है, जो गृहकर व बिजली बिल भी अदा करती है। प्रदेश सरकार ने 2270 करोड़ रुपये की विकास परियोजना के तहत इन्हें हटाने की योजना बनाई है। यह निर्णय कांशीराम स्लम एरिया मालिकाना हक योजना के प्रावधानों का भी उल्लंघन होगा। ज्ञापन में बताया गया कि कोई परिवार किसी भूमि पर 10 वर्ष या उससे अधिक समय से रह रहा है तो उसे विस्थापित करने के बजाय उसी स्थल पर 30म30 मीटर का पट्टा रजिस्ट्री करके मालिकाना हक देना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र की बस्तियों को तोड़ने की कार्रवाई पर रोक लगाने और सभी परिवारों को कांशीराम स्लम एरिया मालिकाना हक योजना के तहत मालिकाना हक देने की मांग की।

# पुलिस भेजकर कार्यकर्ताओं की आवाज दबा रहीं सरकार : राय

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नजरबंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस ने कांग्रेस के यूपी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को उनके घर पर नजरबंद कर लिया। राय ने बृहस्पतिवार 11.30 बजे प्रदेश कार्यालय पर प्रेस कान्फ्रें स बुलाई थी।

वह प्रेस को संबोधित करने के लिए घर से निकलते इससे पहले ही पुलिस ने दस्तक दी। इसके बाद उन्हें घर से नहीं निकलने दिया गया। इस पर अजय राय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा कि, पुलिस भेजकर हमें रोकना, कार्यकर्ताओं की आवाज दबाना। ये लड़ाई को रोक नहीं पाएगा, ये वोट चोरों को बचा नहीं पाएगा।उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस का हर बब्बर शेर कार्यकर्ता गली-गली, गांव-गांव से विरोध करेगा। आवाज देगा। मोदी, वोट चोरी बंद करो! दरअसल, पीएम मोदी के वाराणसी दौरे को लेकर अजय राय ने प्रदर्शन का एलान किया था। इसी को लेकर वह प्रेस वार्ता भी करने वाले थे। लेकिन, इससे पहले ही उन्हें नजरबंद कर लिया गया। घर से नहीं निकलने दिया गया।

# उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद भी चले जा रहें हैं सियासी दांव

## क्रॉस वोटिंग के बयान के बाद घमासान

# विपक्ष में क्रॉसवोटिंग पर जबरदस्त सिर फुटव्वल

» आप-टीएमसी, कांग्रेस व भाजपा में रार

» विपक्ष के 27 सांसदों ने की क्रॉस-वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन चुन लिए गए है। पर अब क्रॉस वोटिंग के मामलों को लेकर विपक्ष में हलचल मची हुई है। विपक्ष ने आरोप लगाया है पैसे का लेन-देन हुआ हांलाकि टीएमसी ने क्रॉस वोटिंग की अफवाहों को कमतर बताया है। वहीं कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने भी क्रॉस वोटिंग पर सवाल उठाए हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि सरकार को इधर-उधर के 15 वोटों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद के 15 दिन मणिपुर में हिंसा शुरू होने के 862 दिन और पश्चिम बंगाल के लिए मनरेगा फंड रोके जाने के 1282 दिन गिनने चाहिए।

उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस-वोटिंग की चर्चाओं के बीच विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक में जबरदस्त विवाद भी चल रहा है। टीएमसी ने तो दावा कर दिया है कि एक-एक सांसद को 15 से 20 करोड़ रुपये में खरीद लिया गया। पार्टी ने आम आदमी पार्टी की ओर इशारे किया है, जिसे आप खारिज कर रही है।

हालांकि, आम आदमी पार्टी इस तरह के आरोपों को खारिज कर रही है। पार्टी के सांसद और महासचिव (संगठन मंत्री) संदीप पाठक ने कहा है कि हमारे सभी सांसद एकजुट रहे और विपक्ष के उम्मीदवार को वोट दिया, सिर्फ एक (मालीवाल) को छोड़कर, जिनके बारे में सब जानते हैं। बल्कि उन्होंने तो एक और बड़ा सनसनीखेज दावा कर दिया है। उनका कहना है, हमने नतीजे के बाद मंगलवार शाम को अपने सूत्रों को सक्रिय किया और यह मानने के कारण मौजूद हैं कि विपक्ष के 27 सांसदों ने एनडीए उम्मीदवार को वोट दिया और कम से कम 12 बीजेपी सांसदों ने विपक्ष के प्रत्याशी के लिए वोटिंग की।

## टीएमसी को सांसदों पर संदेह?

टीएमसी सांसद और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता में मीडियाकर्मियों से कहा है अगर मैं मान भी लूं कि क्रॉस-वोटिंग हुई, 'आप' जैसी कुछ पार्टियां हैं, जिसकी एक महिला सांसद (स्वाति मालीवाल की ओर संकेत) खुलेआम बीजेपी को सपोर्ट करती हैं और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बोलती हैं। ऐसे दो-चार (आप) सांसद हैं। टीएमसी की ओर से आम आदमी पार्टी के लिए इस तरह का आरोप लगाना इस मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक में बहुत बड़ी दरार का संकेत है। क्योंकि, दोनों दलों के नेता-अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी में आपस में अच्छी सियासी ट्यूनिंग देखी जाती रही है। यह भी माना जाता है कि आम आदमी पार्टी का इंडिया ब्लॉक से दूरी बनाने के बाद टीएमसी ने ही उपराष्ट्रपति चुनाव में उसे विपक्ष के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड्डी के समर्थन के लिए तैयार किया। सबसे बड़ा आरोप तो टीएमसी नेता ने ये लगाया है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस-वोटिंग करने वाले कथित सांसदों पर बड़ी रकम खर्च की गई। टीएमसी सांसद ने कहा, मैंने कुछ लोगों से बात की और पता चला कि उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति पर 15 से 20 करोड़ रुपये खर्च किए। जिन्हें लोगों ने प्रतिनिधि के तौर पर चुना, वे लोगों का भरोसा और भावना बेच रहे हैं। हालांकि, टीएमसी को लेकर उनका दावा है कि पार्टी के सभी 41 सांसदों ने रेड्डी को वोट दिया। वैसे उन्होंने ये भी जोड़ दिया कि गुप्त मतदान की वजह से यह कहना मुश्किल है कि क्रॉस-वोटिंग हुई या विपक्षी सदस्यों का वोट खारिज कर दिया गया।

## प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा में एक प्रश्न का उत्तर दिए जाने के 4117 दिन हो चुके है : डेरेक ओ ब्रायन

डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद 15 दिन हो चुके हैं। मणिपुर में हिंसा शुरू हुए 862 दिन हो चुके हैं। जेपी नड्डा को भाजपा अध्यक्ष के रूप में 967 दिन हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल के लिए मनरेगा फंड को रोके हुए 1282 दिन हो चुके हैं। लोकसभा में उप सभापति नहीं होने के 2278 दिन हो चुके हैं और प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा में एक प्रश्न का उत्तर दिए जाने के 4117 दिन हो चुके हैं। टीएमसी नेता ने कहा कि ये महत्वपूर्ण आंकड़े हैं जिनके लिए मोदी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। पंद्रह वोट इधर-उधर होना कोई ऐसा आंकड़ा नहीं है जिस पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत हो।

## हर सांसद पर 15-20 करोड़ रुपये खर्च

इंडिया ब्लॉक की ज्यादातर पार्टियां एक-दूसरे को संदेह की नजरों से देख रही हैं। आरोप-प्रत्यारोपों का दौर शुरू हो गया है। सांसदों के बिकने और प्रत्येक पर 15 से 20 करोड़ रुपये खर्च किए जाने तक के आरोप लग रहे हैं। दरअसल, चुनाव में एनडीए प्रत्याशी को संभावनाओं से मिले कहीं ज्यादा वोटों ने विपक्षी दलों का सारा नैरेटिव पलट दिया है। इस बात को लेकर तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेता तो आमने-सामने नजर आ रहे हैं।

## लगभग हर दल संदेह के घेरे में

इससे पहले यह रिपोर्ट भी आ चुकी है कि महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब और तमिलनाडु के कुछ विपक्षी सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की। इसमें कांग्रेस,शिवसेना (यूबीटी),आम आदमी पार्टी और डीएमके जैसी पार्टियों का नाम बताया गया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी इन आरोपों की तहकीकात की वकालत की है। बता दें कि उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 वोटों के अंतर से हराया है।

## 15 अवैध वोटों और पिछले चुनाव की तुलना में एनडीए के उम्मीदवार के लिए समर्थन में गिरावट : सांवत

शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने भी उपराष्ट्रपति चुनाव के परिणामों पर सवाल उठाया। 15 अवैध वोटों और पिछले चुनाव की तुलना में एनडीए के उम्मीदवार के लिए समर्थन में गिरावट पर उन्होंने चिंता जताई। सावंत ने बताया कि विपक्ष का वोट शेयर 26 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया है। सीपी राधाकृष्णन वोट लाए होंगे। 15 वोट अवैध कैसे हुए? पिछली बार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। इस बार भाजपा को 452 वोट मिले। संख्या में कमी क्यों आई? विपक्ष को पिछली बार 26 प्रतिशत वोट मिले थे और इस बार 40 प्रतिशत मिले।

# विपक्षी दलों को क्रॉस वोटिंग की समीक्षा करनी होगी: प्रमोद तिवारी

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्षी दलों को क्रॉस वोटिंग की समीक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि मैं सीपी राधाकृष्णन को उनकी जीत पर बधाई देता हूं। जहां तक नतीजों की बात है। पिछली बार विपक्ष को 26 फीसदी वोट मिले थे। इस बार यह बढ़कर 40 फीसदी हो गया। पीएम मोदी के दरवाजे पर खतरा मंडरा रहा है। अगर क्रॉस वोटिंग कराई गई है तो यह गलत है। लेकिन मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। कई पार्टियां हैं और वे सभी इसकी समीक्षा करेंगी। उसके बाद मैं इस पर आधिकारिक टिप्पणी करूंगा। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि यदि क्रॉस-वोटिंग हुई है तो विपक्षी गठबंधन इंडिया के प्रत्येक घटक द्वारा इसकी गंभीरता से जांच की जानी चाहिए। क्रॉस-वोटिंग एक अत्यंत गंभीर मामला है। यदि आप जो कह रहे हैं वह सही है या जो सार्वजनिक रूप से सामने आ रहा है या जिसके बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, उसमें थोड़ी भी सच्चाई है, तो इसकी व्यवस्थित और नैदानिक जांच होनी चाहिए। विपक्षी नेताओं के यह बयान उपराष्ट्रपति चुनाव में सीपी राधाकृष्णन की उम्मीद से ज्यादा अंतर से जीत के बाद आए हैं। भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि उन्हें विरोधी खेमे से भी समर्थन मिला। उनकी जीत का अंतर विपक्ष के लिए एक झटका था।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# आभासी दुनिया से युवा को निकालने की जरूरत

**सवाल यह है कि मानसिक तनाव का सीधा रिश्ता हिंसा से कैसे जुड़ रहा है। जब कोई व्यक्ति भीतर से असुरक्षित, असंतुष्ट और हताश होता है तो उसकी ऊर्जा रचनात्मकता की बजाय विध्वंसक रास्ते पकड़ लेती है। जिन युवाओं को उचित दिशा, रोजगार और सामाजिक मान्यता नहीं मिल पाती, वे गुस्से में समाज के खिलाफ खड़े हो जाते हैं।**

*जिस तरह से नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन के बाद युवा भड़के और उसके बाद पूरे देश में तख्ता पलटने जैसा माहौल हो गया वह जताता है कि युवाओं की भावनाओं को सरकारों को ध्यान देना होगा। आज के युवा सोशल मीडिया पर लगातार सक्रि य रहते हैं। देर रात तक स्क्रीन से चिपके रहना उनकी नींद और दिनचर्या दोनों को प्रभावित कर रहा है। आभासी मित्रता और लाइक्स की दुनिया में उन्हें वास्तविक संबंधों की गर्मजोशी नहीं मिल पाती। संवाद की जगह इमोजी ले लेते हैं और भावनाओं का स्थान कृत्रिम पोस्ट। परिणामस्वरूप वे वास्तविक सामाजिक जीवन से कटते जा रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जब इंसान अपने मित्रों, परिवार और समाज के साथ आमने-सामने संवाद करता है, तो तनाव कम होता है। कृतज्ञता का भाव मानसिक संतुलन को बनाए रखता है। परंतु डिजिटल आभामंडल में जीने वाला युवा जब अपनी तुलना लगातार दूसरों की सफलता और भौतिक समृद्धि से करता है, तो उसमें हीनभावना और निराशा जन्म लेती है। यही निराशा कई बार आक्रोश और हिंसा का रूप ले लेती है। सवाल यह है कि मानसिक तनाव का सीधा रिश्ता हिंसा से कैसे जुड़ रहा है।*

*जब कोई व्यक्ति भीतर से असुरक्षित, असंतुष्ट और हताश होता है तो उसकी ऊर्जा रचनात्मकता की बजाय विध्वंसक रास्ते पकड़ लेती है। जिन युवाओं को उचित दिशा, रोजगार और सामाजिक मान्यता नहीं मिल पाती, वे गुस्से में समाज के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। यही गुस्सा कई बार सामाजिक अशांति, अपराध और दंगों के रूप में सामने आता है। यह वैश्विक ट्रेंड केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और विशेष रूप से नेपाल में हालिया परिदृश्य इसका उदाहरण है। पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों, उनमें बढ़ रहे तनाव एवं दु:खों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनके जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो, अन्यथा युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन के स्थान पर हिंसा-आतंक-विध्वंस की स्थितियां विकराल होती जायेगी, जैसाकि नेपाल में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दशकों तक यह मान्यता रही कि जीवन की मध्य आयु वर्ग यानी 40 से 50 वर्ष के लोग ही सबसे अधिक अवसादग्रस्त, तनावग्रस्त, क्रोधित और दुखी होते हैं। युवावस्था और बुजुर्गावस्था अपेक्षाकृत अधिक प्रसन्न और संतुलित मानी जाती थी। लेकिन हाल के वैश्विक अध्ययनों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट सहित अनेक शोध बताते हैं कि दुख और तनाव की शुरुआत अब युवावस्था से ही होने लगी है। सबसे खुशी, मस्त एवं तनावमुक्त जीवन जीने वाली यह पीढ़ी अब सबसे अधिक तनावग्रस्त हो गयी है, जो गहन चिन्ता का सबब है।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# जन प्रतिनिधियों से विवेकपूर्ण व्यवहार की उम्मीद

विश्वनाथ सचदेव

यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी राजनीति में विवेक पर वैयक्तिक और दलीय स्वार्थ अक्सर हावी हो जाते हैं। जनतंत्र की सफलता और सार्थकता का तकाजा है कि इस स्थिति से उबरा जाये। निर्वाचित सांसदों के विवेक पर शंका करने की आवश्यकता नहीं है, आवश्यकता विवेकपूर्ण व्यवहार करने की है। सातवीं-आठवीं में पढ़ने वाला वह बच्चा टीवी पर समाचार सुनते-सुनते अचानक हंस पड़ा। समाचार तो मैं सुन रहा था, उसने अनायास ही वह समाचार सुन लिया होगा। समाचार उपराष्ट्रपति के चुनाव के बारे में था और एंकर कह रहा था, सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने-अपने सांसदों को मतदान का तौर-तरीका समझाने के लिए संसद-भवन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये। जब मैंने बच्चे से हंसने का कारण पूछा तो उसने बताया कि उसे हंसी इस बात पर आ रही थी कि हमारे सांसदों को वोट देना भी नहीं आता!

यह सुनकर मैं भी अनायास ही मुस्कराने लगा था। बात तो सही है, उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान क्या सचमुच इतनी जटिल प्रक्रिया है कि सब कुछ जानने का दावा करने वाले हमारे सांसदों को यह भी सिखाना पड़े कि वोट कैसे डाला जाता है! रहा होगा कोई जमाना जब कुछ कम पढ़े-लिखे, या फिर अनपढ़ भी सांसद बनते हों। पर इक्कीसवीं सदी के हमारे सांसद तो ऐसे नहीं हैं। बहरहाल, मैंने उस बच्चे को बताया कि बात मतदान का तरीका सिखाने की नहीं, अपने-अपने सांसदों को एकजुट रखने की है। इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करके राजनीतिक दल अपने समर्थकों को जोड़े रखने की कोशिशें करते हैं। यह सुनकर वह बच्चा फिर हंस पड़ा था। इस बार मैंने नहीं पूछा कि वह क्यों हंसा है। मैंने अपने आप से पूछा था, यह कैसा जनतंत्र है हमारा कि हमें अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों को भी यह समझाना पड़ता है कि जनतंत्र में विचारधारा का भी कुछ मतलब होता है; कि राजनीति अवसर का लाभ उठाने की कला मात्र नहीं है; कि विचारधारा का भी हमारी राजनीति से कुछ रिश्ता होना चाहिए। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी राजनीति सत्ता हथियाने और सत्ता में बने रहने तक ही सीमित होती जा रही है।

विचारों और विचारधाराओं का नाम लेकर राजनीतिक दल बनाये अवश्य जाते हैं, पर चलते वे इसी सिद्धांत पर ही हैं कि सारा खेल सत्ता का है। यदि ऐसा न होता तो हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि आयाराम-गयाराम

का घटिया खेल खेलते न दिखाई देते। जिस गति और आसानी से हमारे राजनेता अपना पाला बदलते हैं, उस पर आश्चर्य ही नहीं होता, शर्म भी आती है। राजनीतिक दल भी जिस तरह नेताओं की अदला-बदली को प्रोत्साहन देते हैं, वह भी अपने आप में हास्यास्पद ही नहीं, शर्मनाक भी है। हमारे राजनेता, चाहे व किसी भी रंग के झण्डे वाले हों, किसी मूल्य या आदर्श के आधार पर राजनीति करने में विश्वास नहीं करते। कहते वे भले ही कुछ भी रहें, करते वे घटिया राजनीति ही हैं-इस घटिया राजनीति में नीतियों-सिद्धांतों और अंतरात्मा की आवाज का कोई मतलब नहीं होता। मतलब होता है तो सिर्फ इस बात का कि राजनीति के इस खेल में मुझे कितना और कैसा लाभ मिल सकता है। अंतरात्मा की बात से याद आया उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले इस चुनाव में भी कम से कम एक प्रत्याशी ने सांसदों से अपील की थी कि वे राजनीतिक सौदेबाजी के आधार पर नहीं, अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर मतदान करें। कहने को तो सब ऐसा ही करने की बात कह सकते हैं, पर हकीकत तो यही है कि हमारी राजनीति में अंतरात्मा की आवाज जैसी कोई बात बची नहीं है। वह सिद्धांतों, मूल्यों, आदर्शों की राजनीति नहीं है, मात्र सत्ता की, और सत्ता के लिए, राजनीति है। हमने यह बार-बार देखा है कि हमारे राजनेता सत्ता के लिए कुछ भी कह सकते हैं, कर सकते हैं! उनकी कथनी और करनी के अंतर को देखने के लिए किसी खुर्दबीन की आवश्यकता नहीं है। लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति, उपराष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर होना चाहिए। इन दोनों आसनों पर बैठने वाले व्यक्तियों से यह आशा की जाती है कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर अपने कार्य को अंजाम देंगे।

अक्सर ऐसा होता भी होगा, पर ऐसे उदाहरण भी कम नहीं हैं जब हमने इन पदों की शोभा बढ़ाने वालों को सत्तारूढ़ पक्ष के प्रतिनिधि के रूप में काम करते देखा है। यह सही है कि लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई चलाने वाले व्यक्ति भी किसी राजनीतिक दल के सदस्य के रूप में चुनकर ही संसद में आते हैं। पर अपेक्षा यह की गयी है कि इन पदों पर बैठने वाले व्यक्ति दलगत राजनीति के हितों-स्वार्थों से ऊपर उठकर निर्णय लेंगे। पर हमेशा ऐसा होता नहीं दिखता। पर ऐसा दिखना चाहिए-ऐसा ही होना चाहिए।

# चिप इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग में अग्रणी पहल

डॉ. शशांक द्विवेदी

चिप्स- अर्थात सेमीकंडक्टर आज की तकनीकी दुनिया की रीढ़ हैं। मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल, 5जी नेटवर्क, स्वास्थ्य उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक सेना उपकरण-सभी में सेमीकंडक्टर हर जगह उपयोग हो रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य देश को चिप डिजाइन, निर्माण, पैकेजिंग और परीक्षण में आत्मनिर्भर बनाना है। इस लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने हेतु भारत ने कई बड़े कदम उठाए हैं और कई परियोजनाएं राष्ट्रहित में अग्रसर हैं। भारत, जो कभी सेमीकंडक्टर चिप्स के आयात पर निर्भर था, अब आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। हाल ही में आयोजित 'सेमिकान इंडिया 2025' सम्मेलन इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। सेमीकंडक्टर चिप्स आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स का मूलभूत हिस्सा हैं।

ये स्मार्टफोन, कंप्यूटर, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरणों और रक्षा प्रणालियों में उपयोग होते हैं। इनकी मांग वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। सेमिकान इंडिया 2025 में 48 देशों के 2,500 से अधिक प्रतिनिधियों, 350 से अधिक प्रदर्शकों, 150 से अधिक वक्ताओं और 20,750 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, इनमें 50 वैश्विक नेताओं ने विचार साझा किए। सम्मेलन में एक ऐतिहासिक क्षण तब आया जब प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का प्रथम पूर्णत: स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 3201' का अनावरण किया। यह 32-बिट स्पेस-ग्रेड चिप इसरो द्वारा डिजाइन की गई तकनीक पर आधारित है, और एससीएल चंडीगढ़ में निर्मित है। इस चिप के माध्यम से भारत ने मिशन-क्रिटिकल इलेक्ट्रॉनिक्स में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि सेमीकंडक्टर का वैश्विक बाजार कुछ वर्षों में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा, और इसमें भारत की भूमिका अहम रहेगी। उल्लेखनीय है कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चिप निर्माण के लिए 76,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन की घोषणा की गई है।

इसमें से 65,000 करोड़ रुपये चिप निर्माण के लिए और 10,000 करोड़ रुपये मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला के आधुनिकीकरण के लिए आवंटित किए गए हैं। वहीं डीप टेक भारत की पहल आईआईटी कानपुर में शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी और बायोसाइंसेज जैसे क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देना है। वहीं दूसरी ओर, राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से निवेशकों को केंद्र और राज्य सरकारों से अनुमतियां एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलती हैं, जिससे प्रक्रिया सरल और तेज होती है। भारत में सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग और निर्माण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। नोएडा और बेंगलुरु में अत्याधुनिक डिजाइन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां बिलियनों ट्रांजस्टिर्स वाले चिप्स पर काम हो रहा है। 28 स्टार्टअप्स चिप डिजाइनिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं, जो नवाचार और विकास में योगदान दे रहे हैं।

सरकार ने 10 लाख से अधिक लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रशिक्षण प्रदान किया है, जिससे मानव संसाधन की क्षमता में वृद्धि हुई है। 12 अगस्त, 2025 को सरकार ने ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में चार नए सेमीकंडक्टर निर्माण प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी-जिनका कुल निवेश रुपये 4,600 करोड़ है। इनमें सिलिकॉन कार्बाइड फैब ओडिशा में, सीडीआईएल विस्तारित निर्माण पंजाब में और असिप टेक्नोलॉजीज द्वारा पैकेजिंग परीक्षण केंद्र आंध्र प्रदेश में शामिल है। देश की प्रसिद्ध निर्माण कंपनी की सहायक कंपनी एलटीएससीटी ने 10 बिलियन डॉलर के फेब निर्माण का उद्देश्य रखा है, जो 2027 तक पूरा होना है। कंपनी मेम्स, आरएफ और स्मार्ट पावर चिप्स डिजाइन कर रही है, और शुरुआत 2025 में उत्पादन से होनी है। हरियाणा ने गुड़गांव में स्टार्ट-अप्स हेतु विश्वस्तरीय इनक्यूबेटर की घोषणा की। इसमें इनोवेशन लैब, प्रोटो टाइपिंग सेंटर और प्लग प्ले कार्यक्षेत्र होंगे। वहीं, उत्तर प्रदेश ने ताइवान डेस्क की स्थापना की है, जिससे सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

पिछले दिनों भारत ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाते हुए नोएडा और बेंगलुरु में देश के पहले 3 नैनोमीटर चिप डिजाइन सेंटर का उद्घाटन किया। इन अत्याधुनिक सेंटरों की स्थापना रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा की गई है। यह भारत का पहला सेंटर है जो 3एएम जैसे अत्याधुनिक चिप डिजाइन पर काम करेगा, जो भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर नवाचार की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करता है। भारत, ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ मिलकर वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन सकता है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश से लाखों नई नौकरियां उत्पन्न हो सकती हैं, जो रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। स्थानीय उत्पादन से आयात पर निर्भरता कम होगी, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत और आर्थिक स्थिरता में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर देश न केवल सेमीकंडक्टर डिजाइन और पैकेजिंग में बल्कि फेब निर्माण एवं हाइ-एंड विकल विकास में वैश्विक मंच पर उभरने को तत्पर है।

# बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रखेंगे ये योगासन

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा एक मार्ग की तरह है। शिक्षा प्राप्त करने बच्चे स्कूल जाते हैं। स्कूल में बच्चों को हर दिशा में निपुण बनाने के लिए कई विषयों के बारे में पढ़ाया जाता है। अक्सर बच्चे किसी विषय में कमजोर होते हैं, जिस पर उन्हें अधिक ध्यान लगाने की जरूरत होती है। वहीं कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे होते हैं, जिसके लिए वह घंटे पढ़ाई करते हैं। हालांकि घंटों बैठकर पढ़ने से अक्सर बच्चों को अनिद्रा, आंखों में जलन, सिर दर्द या शरीर दर्द जैसी समस्या भी होने लगती हैं। पढ़ाई में ध्यान केंद्रित न होने पाने की शिकायत भी आम है। अगर आपका बच्चा भी स्कूल व कोचिंग की घंटो क्लास लेता है, या अपने कमरे में बैठकर घंटों पढ़ाई करता है, तो उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ सकता है। बच्चे को शारीरिक तौर पर सक्रिय रहने की भी जरूरत होती है और मस्तिष्क को आराम देना भी जरूरी होता है।

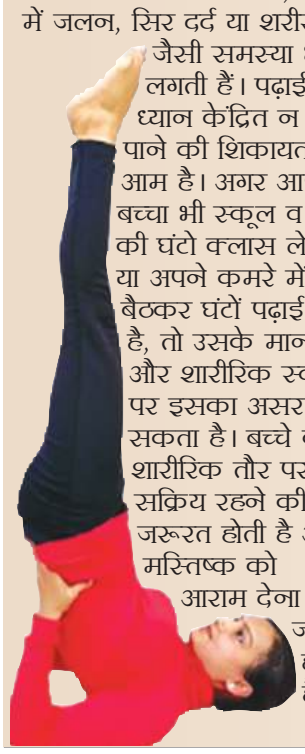

## शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सर्वांगासन

सर्वा का मतलब होता है सभी। इसका अर्थ हुआ कि वैसा आसन जो शरीर के हर भाग या अंगों को प्रभावित करता हो। यह आसन शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर मजबूत करता है। बता दें एक ही स्थान पर बैठकर घंटों पढ़ाई करने से शारीरिक सक्रियता कम होने लगती है। गलत पोजीशन में बैठकर पढ़ने या सिर झुकाकर पढ़ाई करने से पीठ व गर्दन में दर्द की समस्या हो जाती है। इसलिए लगातार बैठे रहने के बजाए बीच में उठकर कुछ देर पैदल चलना चाहिए। साथ ही शारीरिक सक्रियता के लिए सर्वांगासन योग का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से हाथ-कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, याददाश्त तेज होती है और आंखों की रोशनी बढ़ती है और मस्तिष्क में एनर्जी का ग्लो बेहतर बनता है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों हथेलियों को नीचे रखें और पैरों को सीधे हवा में ऊपर उठाते हुए सिर की ओर मोड़ें। हाथों को कमर का सहारा देते हुए कंधे, रीढ़ की हड्डी और हिप्स को सीधा करें। इस पोजीशन में 30 सेकेंड रहने के बाद धीमी गति से पुरानी स्थिति में आ जाएं।

## ध्यान केंद्रित करने के लिए वृक्षासन

पढ़ाई करते समय अक्सर बच्चों को ध्यान केंद्रित नहीं होता। इस कारण उनका मन भटकता रहता है और पढ़ाई में मन नहीं लगता। लगातार किताब लेकर बैठने का अर्थ पढ़ाई करना नहीं होता। बच्चा पढ़ाई पर फोकस कर सके, इसलिए वृक्षासन का अभ्यास कराएं। इस योग से शरीर का संतुलन बना रहता है और ध्यान एकाग्र करने में मदद मिलती है। वृक्षासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए दाएं पैर को मोड़कर तलवे को बाएं पैर की जांघ पर रखें। इस स्थिति में संतुलन बनाएं और हाथों को जोड़ते हुए सिर के ऊपर ले जाते हुए नमस्कार की मुद्रा ले लें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें, बाद में दूसरे पैर से भी प्रक्रिया को दोहराएं।

## आत्मविश्वास को बढ़ाएं

ऐसा बहुत बार होता हैं कि बच्चा कुछ करना चाहता हैं लेकिन उसमें सफल नहीं हो पाता है। ऐसे में बच्चों को बताएं कि गलतियों से सीखें, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। सफाई रखना और लक्षणों पर नजर रखना बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण हो सकता है। बच्चों के लिए ऐसा माहौल बनाया जाना चाहिए, जहां वे अपनी सभी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करें। बात चाहे उनकी शारीरिक परेशानी की हो या मानसिक और भावनात्मक समस्या की, उन्हें खुलकर बात करने का मौका देना चाहिए।

## आंखों को आराम देने के लिए भस्त्रिका प्राणायाम

लगातार पढ़ाई से आंखों में दर्द होने लगता है और नजर कमजोर होने की शिकायत भी हो सकती है। आंखों को आराम देने और नजर तेज करने के लिए भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास कर सकते हैं। इस योग से फेफड़ों, कानों और नाक पर भी असर होता है। इस आसन को करने के लिए किसी भी शांत वातावरण में बैठ जाएं। सुखासन की मुद्रा में बैठकर गर्दन और रीढ़ की हड्डी को एकदम सीधा रखें। अब शरीर को बिना हिलाए गहरी सांस लें और तेजी से दोनों नाक से आवाज करते हुए सांस छोड़ें। आखें बंद करें और थोड़ी देर के लिए शरीर को शिथिल कर लें। मूह बंद रखें। हाथों को चिन या ज्ञान मुद्रा में रखें। दोनों नाक के माध्यम से धीमी और गहराई से श्वास लें। दोनों नथ्नो को बंद कर लें और कुछ सेकंड के लिए सांस रोक कर रखें। धीरे-धीरे दोनों नथ्नो से श्वास छोड़ें। ऊपर बताए गये तरीके से बाएं, दाएं और दोनों नथ्नो के माध्यम से श्वास लेना एक भास्त्रिका प्राणायाम का पूरा चक्र होता है।

## हंसना मना है

बेटे की जैकेट में से सिगरेट, गुटखे निकले...बाप ने बेटे को खूब मारा और पूछा कब से चल रहा है ये सब...तभी मम्मी बोली आप उसे बोलने तो दो...बेटा- पापा आप मुझे क्यों मार रहे हैं ये तो जैकेट आप की ही है...बस तब से मम्मी के डर से पापा की बोलती बंद है।

साली- अगर रात में मच्छर काटे तो क्या करना चाहिए? जीजा- चुपचाप कंबल ओढ़कर सो ही जाना चाहिए क्योंकि आप रजनीकांत तो हैं नहीं जो मच्छर से सॉरी बुलवा लेंगे।

पत्नी- मैं बचूंगी नही मर जाउंगी! पति - मैं भी मर जाऊंगा! पत्नी- मैं तो बीमार हूं लेकिन तुम किसलिए? पति - मैं इतनी खुशी बर्दास्त नही कर पाउंगा...

एक आदमी कॉकरोच को मार रहा था। मरने से पहले कॉकरोच ने आदमी से आखिरी बार बोला, 'मार दे मुझे! डरपोक कहीं के! तू मुझसे इसलिए चिढ़ता है क्योंकि तेरी बीवी मुझसे डरती है, तुझसे नहीं।

एक लेडी छोटे बच्चे को गोद में लिए हुए लिफ्ट में दाखिल हुई, मैंने लिफ्ट का बटन दबाते हुए पूछा- चौथा या पांचवा, लेडी मुंह फुलाते हुए गुस्से से बोली- मेरा नहीं है, पड़ोसन का है !

## कहानी | कर्ण की युद्ध में धर्म-नीति निष्ठा

कर्ण कौरवों की सेना में होते हुए भी महान धर्मनिष्ठ योद्धा थे। भगवान श्रीकृष्ण तक उनकी प्रशंसा करते थे। महाभारत युद्ध में कर्ण ने अर्जुन को मार गिराने की प्रतिज्ञा की थी। उसे सफल बनाने के लिए खांडव वन के महासर्प अश्वसेन ने यह उपयुक्त अवसर समझा। अर्जुन से वह शत्रुता तो रखता था, पर काटने का अवसर नहीं मिलता था। वह बाण बनकर कर्ण के तरकस में जा घुसा, ताकि जब उसे धनुष पर रखकर अर्जुन तक पहुंचाया जाए, तो अर्जुन को काटकर प्राण हर ले। कर्ण के बाण चले। अश्वसेन वाला बाण भी चला, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने वस्तुस्थिति को समझा और रथ-घोड़े जमीन पर बिठा दिए। बाण मुकुट काटता हुआ ऊपर से निकल गया। असफलता पर क्षुब्ध अश्वसेन प्रकट हुआ और कर्ण से बोला- अबकी बार अधिक सावधानी से बाण चलाना, साधारण तीरों की तरह मुझे न चलाना। इस बार अर्जुन वध होना ही चाहिए। मेरा विष उसे जीवित रहने न देगा। इस पर कर्ण को भारी आश्चर्य हुआ। उसने उस कालसर्प से पूछा- आप कौन हैं और अर्जुन को मारने में इतनी रूचि क्यों रखते हैं? सर्प ने कहा- अर्जुन ने एक बार खण्डव वन में आग लगाकर मेरे परिवार को मार दिया था, इसलिए उसीका प्रतिशोध लेने के लिए मैं व्याकुल रहता हूं। उस तक पहुंचने का अवसर न मिलने पर आपके तरकस में बाण के रूप में आया हूं। आपके माध्यम से अपना आक्रोश पूरा करूंगा। कर्ण ने उसकी सहायता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए वापस लौट जाने के लिए कहा- भद्र, मुझे अपने ही पुरुषार्थ से नीति युद्ध लड़ने दीजिए। आपकी अनीतियुक्त सहायता लेकर जीतने से तो हारना अच्छा है। कालसर्प कर्ण की नीति-निष्ठा को सराहता हुआ वापस लौट गया। उसने कहा- कर्ण तुम्हारी यह धर्मनिष्ठा ही सत्य है, जिसमें अनीतियुक्त पूर्वाग्रह को छद्म की कहीं स्थान नहीं।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** अतिथियों का आगमन होगा। विरोधी परास्त होंगे। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। प्रमाद न करें। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे।

**वृषभ** विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें।

**मिथुन** बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। सामाजिक कार्यों में सीमित रहें।

**कर्क** मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे।

**सिंह** संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें।

**कन्या** यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएँगे। फालतू खर्च होगा।

**तुला** क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

**वृश्चिक** लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। लाभ होगा।

**धनु** योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी।

**मकर** धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं।

**कुम्भ** वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सोच-समझकर व्यय करें। व्यापार अच्छा चलेगा।

**मीन** प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे। लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

# पिता के संघर्षों को देखकर मैं प्रोड्यूसर नहीं बनना चाहता था : आमिर खान

आमिर खान इंडस्ट्री के उन एक्टर्स में से हैं जो बतौर प्रोड्यूसर भी कई सक्सेसफुल फिल्में बना चुके हैं। लगान, तारे जमीन पर, दंगल, लापता लेडीज, पीपली लाइव जैसी शानदार फिल्में प्रोड्यूस कर चुके आमिर, दरअसल कभी प्रोड्यूसर नहीं बनना चाहते थे। बल्कि वो अपना मन बना चुके थे कि वो अपने करियर में कभी फिल्म प्रोड्यूस नहीं करेंगे। लेकिन उनकी किस्मत में कुछ और लिखा था। आमिर ने हाल ही में बताया है कि अपने पिता ताहिर हुसैन के कारण वो अपने दिमाग में प्रोड्यूसर बनने का ख्याल कभी नहीं लेकर आए। पिता के संघर्षों को देखते हुए उन्होंने एक्टर बने रहना ठीक समझा। लेकिन जब उनके पास लगान आई, तब उनका मन बदला। गेम चेंजर्स संग बातचीत में आमिर ने बताया, मुझे लगता है कि जब मैंने अपने पिता का करियर पहली बार देखा, मैं तब बहुत छोटा था। तब मुझे एहसास हुआ कि मुझे कभी प्रोड्यूसर नहीं बनना है। क्योंकि सबसे ज्यादा मेहनत आपकी होती है, रिस्क आप ले रहे हो, पैसे आप लगा रहे हो और सिर्फ आप ही गालियां खा रहे हो। कभी आपकी टीम आपका साथ नहीं देती और मेरे पिता की फिल्म लॉकेट बनने में आठ सालों का समय लगा था। ये सबकुछ देखकर मैंने सोचा कि मैं एक्टर बन गया हूं, मेरा करियर चल चुका है। कयामत से कयामत तक हिट हो गई है। मुझे प्रोड्यूसर बनने की क्या जरूरत है? आमिर ने आगे बताया है कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में प्रोड्यूसर बनने पर भी कई इंटरव्यूज दिए थे। तब उन्होंने साफ कहा था कि वो कभी प्रोड्यूसर नहीं बनेंगे। लेकिन भगवान ने उनकी इस बात को एक चैलेंज की तरह लिया और उन्हें फिर लगान फिल्म का प्रोड्यूसर बनाया। आमिर ने ये भी सलाह दी कि इंसान को कभी भी इस तरह के स्टेंटमेंट्स नहीं देने चाहिए जिसमें वो किसी भी चीज को नहीं करने की बात कहता है। क्योंकि उसके साथ कभी भी कुछ भी हो सकता है।

# ऐश्वर्या राय की एआई तस्वीरों के इस्तेमाल पर कोर्ट की रोक

दिल्ली हाई कोर्ट ने बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करते हुए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। कोर्ट ने माना कि व्यक्तिगत विशेषताओं का अनधिकृत उपयोग जीवन के सम्मान के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन करता है।

न्यायमूर्ति तेजस कारिया ने इस मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कई संस्थाओं को ऐश्वर्या के व्यक्तिगत विशेषताओं (जैसे नाम, छवि, आवाज, और समानता) के दुरुपयोग पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि अनधिकृत उपयोग न केवल वित्तीय नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उनकी गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है। वादी के व्यक्तित्व अधिकारों का कोई भी उल्लंघन, जो जनता में किसी उत्पाद या सेवा के समर्थन या प्रायोजन को लेकर भ्रम पैदा करता है, वादी की प्रतिष्ठा और सद्भावना को भी कमजोर करेगा।

कोर्ट ने उल्लेख किया कि ऐश्वर्या भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की सबसे फेमस हस्तियों में से एक हैं। विभिन्न ब्रांड्स की राजदूत के रूप में उनकी भूमिका ने उन्हें ऐसी प्रतिष्ठा और सद्भावना दिलाई है कि जनता उनके द्वारा समर्थित ब्रांड्स पर भरोसा करती है। इस तरह उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन जनता में भ्रम पैदा करता है और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है।

यह आदेश 11 सितंबर 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया, जिसमें कई वेबसाइट्स और प्लेटफॉर्म्स पर ऐश्वर्या की छवि, नाम, और AI-जनरेटेड सामग्री के अनधिकृत उपयोग को रोकने का निर्देश दिया गया। यह मामला डिजिटल युग में डीपफेक और अनधिकृत उपयोग के खिलाफ हस्तियों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह फैसला ऐश्वर्या राय बच्चन के सम्मान और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए एक मजबूत कानूनी कदम है।

बता दें कि ऐश्वर्या राय बच्चन ने कुछ दिन पहले दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। एक्ट्रेस की ओर से सीनियर वकील संदीप सेठी ने कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें ऐश्वर्या की ओर से उनके पब्लिसिटी और पर्सनैलिटी अधिकारों की रक्षा को लेकर बात की गई थी। साथ ही एक्ट्रेस की तस्वीरें और वीडियो अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने वालों पर रोक लगाने की मांग की थी। उन्होंने बताया था कि कुछ वेबसाइट उनकी तस्वीरों से पैसा बना रही हैं, तो वहीं कुछ अश्लीलता भी फैला रही हैं।

# मस्ती, रोमांस के साथ सीख भी देती है फिल्म 'मन्नू क्या करेगा'

नई जनरेशन की सबसे बड़ी तकलीफ जो हमें दिखाई देती है वो ये है कि वो मस्तमौला हैं, बोल्ड हैं, महत्वाकांक्षी हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि वो चाहते क्या हैं! ऐसा ही कुछ हाल हमारे मन्नू का भी है।

सिनेमाघरों में नई फिल्म लगी है, जिसका नाम है मन्नू क्या करेगा। फिल्म का नाम ही इसकी कहानी को साफ बयां कर रहा है। कहानी देहरादून के मानव चतुर्वेदी (व्योम यादव) की है, जिसे प्यार से उसके दोस्त और परिवार मन्नू बुलाते हैं। मन्नू, चुलबुला, बिंदास और टैलेंटेड लड़का है। कॉलेज में हर साल अपने सब्जेक्ट बदलने वाला मन्नू अभी समझ नहीं पाया है कि उसे जिंदगी में क्या करना है। वो फुटबॉल

प्रेमी है, लोगों के बीच पॉपुलर है और दिमाग से तेज भी, लेकिन इतना सबकुछ होने के बाद भी उनके कोई एम्बिशन यानी महत्वाकांक्षा नहीं हैं। मन्नू अपनी जिंदगी को एक बार में एक दिन के हिसाब से जी रहा है।

उसकी जिंदगी बड़ा मोड़ लेती है, जब मन्नू की जिंदगी में जिया (साची बिंद्रा) की एंट्री होती है। जिया के प्यार में पड़ चुका मन्नू उसके साथ जिंदगी जीने के सपने सजा रहा है। मगर इसके चक्कर में अपनी करियर और पढ़ाई को एकदम भूल गया है। जिया को मन्नू की चिंता है और मन्नू उसे खुश करना चाहता है। ऐसे में मन्नू, जिया से ऐसा झूठ बोलता है, जिसकी बलि दोनों का रिश्ता और सुकून दोनों चढ़ जाएगा। जिया को खोने से डर रहे मन्नू के पास अब बस एक ही रास्ता है, अपने झूठ को सच बनाना। वो ये कैसे करेगा, यही फिल्म में देखने वाली बात है। मन्नू क्या करेगा बहुत ही हंसी-खुशी और मस्ती से भरी फिल्म है। इससे एक्टर व्योम यादव ने अपना डेब्यू किया है। पिक्चर में व्योम का काम काफी बढ़िया है। उन्हें देखकर कहना मुश्किल है कि वो नए एक्टर हैं।

अजब-गजब | इस गांव में केवल 2 लोग हैं 10वीं पास

# आजादी के 79 साल बाद भी गुलाम है यह गांव!

**पश्चिम चम्पारण।** आज हम आपको बिहार के एक ऐसे गांव की कहानी बताने वाले हैं, जहां का हर एक शख्स दिहाड़ी मजदूर है। विचारणीय बात तो यह है कि आजादी के बाद से अब तक इस गांव के किसी भी शख्स ने सरकारी नौकरी नहीं की है। जहां तक बात शिक्षा की है, तो पूरे गांव में सिर्फ 2 लोग ही ऐसे हैं जिन्होंने उच्च शिक्षा के नाम पर दसवीं तक की पढ़ाई पूरी की है। विडंबना तो इस बात की है कि गन्ने की खेती का सबसे बड़ा बेल्ट होने के बावजूद भी इस गांव के किसी भी शख्स के पास खेत का छोटा टुकड़ा भी नहीं है।

ग्रामीण बताते हैं कि उनके पास घर के नाम पर सिर्फ सिर छिपाने भर की जगह है। हालत इतने खस्ता है कि गांव के मर्दों के साथ महिलाएं भी दिहाड़ी मजदूर का काम करने को मजबूर हैं। गांव में आज तक किसी की भी सरकारी नौकरी नहीं लगी है। बता दें कि ये गांव पश्चिम चंपारण जिले के बगहा 02 प्रखंड के अंतर्गत आता है। गांव का नाम हरका है, जिसकी आबादी करीब 800 है।

गांव के निवासी राजकुमार सहनी बताते हैं कि पूरे गांव में सिर्फ 2 लोग ही ऐसे हैं, जिन्होंने दसवीं तक की पढ़ाई पूरी की है। गौर करने वाली बात यह है कि सहनी उनमें से एक हैं। बकौल सहनी, हरका एक ऐसा गांव है जहां आजादी के 79 साल में भी अब तक किसी ने सरकारी नौकरी नहीं ली है। स्थिति इतनी दयनीय है कि युवा से लेकर बुजुर्ग और

महिलाएं तक परिवार चलाने के लिए मजदूरी करती हैं। उन्होंने बताया कि गांव के कोई भी सरकारी विद्यालय नहीं है, जब हमने राजकुमार से इस दयनीय स्थिति का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि हरका जिले के सबसे पिछड़े गांवों में से एक है। आजादी के 78 वर्षों के बाद भी यहां न तो कोई विद्यालय बन पाया है और न ही कोई पंचायत भवन। गांव से करीब 03 किलोमीटर की दूरी पर एक सरकारी विद्यालय मौजूद भी है, तो संसाधनों के घोर अभाव की वजह से वहां कोई बच्चा पढ़ने के लिए जा नहीं पाता है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि यही सिलसिला पीढ़ियों से चलता आ रहा है।

हैरत तो इस बात की है कि यहां के लोगों को सरकार की किसी योजना तक की जानकारी नहीं है। ग्रामीणों की मानें तो, यहां के लोगों में बस खाने कमाने की प्रवृत्ति बस गई है। ऐसे में इससे ऊपर कोई सोच ही नहीं पाता है। युवा, महिला और बुजुर्ग सभी मजदूरी करते हैं।

ग्रामीण लीलावती देवी बताती हैं कि उनके पति गोरखपुर में रिक्शा चलाने का काम करते हैं। राजकुमार सहनी उनका बेटा है, जो गांव का दूसरा सबसे पढ़ा लिखा युवा है। घर की दयनीय स्थिति को देखते हुए राजकुमार ने भी दसवीं की पढ़ाई पूरी कर एक अस्थाई प्राइवेट काम से जुड़ने का फैसला कर लिया। विचारणीय बात तो यह है कि लीलावती भी गांव से बाहर दूसरों के घरों में झाड़ू पोछे का काम करती हैं। कुछ ऐसी ही कहानी गांव के हर एक परिवार की है।

# ये पतली सी मछली पल भर में ले सकती है जान रफ्तार इतनी तेज कि शरीर के आर-पार हो जाए

समुद्र की दुनिया में शार्क जैसी मछलियां अपने खतरनाक स्वभाव के लिए जानी जाती हैं, लेकिन एक ऐसी मछली भी है जो देखने में पतली और नाजुक लगती है, पर वह शार्क से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती है। इस मछली का नाम नीडिलफिश है, जिसे हिंदी में 'सुई मछली' भी कह सकते हैं। यह मछली अपने नुकीले और तेज चोंच की वजह से लोगों के लिए जानलेवा बन जाती है। इस मछली से घायल होने के कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें कुछ लोगों की मौत भी हुई है। नीडिलफिश की सबसे बड़ी खासियत उसकी रफ्तार है। यह पानी की सतह के पास तैरती है और जब कोई रुकावट आती है, तो ये 60 किमी प्रति घंटे की तेज रफ्तार से पानी से बाहर उछलकर उसके ऊपर से निकल जाती है। दिक्कत तब होती है जब ये रुकावट कोई नाव या इंसान होता है। अपनी तेज रफ्तार और नुकीली चोंच की वजह से यह मछली इंसान के शरीर में घुस जाती है और गंभीर घाव दे सकती है। इस तरह के 'हमले' का मुख्य कारण नीडिलफिश का आक्रामक होना नहीं है, बल्कि यह उनकी स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। ये अक्सर रात में रोशनी की तरफ आकर्षित होती हैं, जिसकी वजह से खतरा महसूस होने पर खुद को बचाने के लिए मछुआरों और गोताखोरों पर हमला कर देती हैं। नीडिलफिश से होने वाले घाव बहुत गहरे होते हैं और कई बार तो मछली की चोंच पीड़ित के शरीर में ही टूटकर फंस जाती है। प्रशांत महासागर के द्वीपों में रहने वाले लोगों के लिए यह मछली शार्क से भी बड़ा खतरा मानी जाती है, क्योंकि वे उथले पानी और छोटी नावों में ज्यादा समय बिताते हैं। हालांकि, इस मछली के हमले ज्यादा नहीं होते, लेकिन कई मामले सामने आए हैं। पिछले साल इंडोनेशिया में एक लड़के के गले में इस मछली की चोंच घुस गई थी, हालांकि उसे अस्पताल में बचा लिया गया। वहीं, 2018 में थाईलैंड में एक नौसेना कैडेट की नीडिलफिश के हमले से मौत हो गई थी, जबकि 2014 में वियतनाम में एक रूसी पर्यटक के साथ एक अजीब घटना हुई, जब एक नीडिलफिश ने पानी से बाहर निकलकर उसकी गर्दन पर काट लिया और उसके नुकीले दांत उसकी रीढ़ की हड्डी में फंस गए, जिससे वह लकवाग्रस्त हो गई। यह मामला इसलिए भी चौंकाने वाला था, क्योंकि नीडिलफिश आमतौर पर अपने शिकार को सीधे भेदती हैं। ऐसे में अगर आप कभी उन इलाकों में जाएं, जहां नीडिलफिश पाई जाती है, तो सावधान रहें, क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि कब पानी से एक 'जिंदा भाला' आपके ऊपर कूद पड़े।

# देश में वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं: राहुल गांधी

## » बोले- हाइड्रोजन बम आएगा, सारा का सारा साफ हो जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में थे। बृहस्पतिवार को दिशा की बैठक में उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग बहुत आंदोलित हो रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब हाइड्रोजन बम आएगा तो सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक एंड व्हाइट सबूत दिए हैं। इंतजार कीजिए बहुत जल्द वोट चोरी के और खुलासे आने वाले हैं। भाजपा वाले परेशान न हों, वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने वाला है। सारा सब कुछ साफ हो जाएगा। राहुल गांधी बुधवार शाम ऊंचाहार पहुंचे।

वहां बूथ अध्यक्षों से मिलकर लोकसभा चुनाव में भारी मतों के अंतर से जीत दिलाने के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान राहुल गांधी ने अपने वोट चोर गद्दी छोड़ मिशन पर कार्यकर्ताओं में जोश भरा और वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगवाए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के विधानसभा चुनाव से चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा की वोट चोरी पकड़ी गई है। इस कारण भाजपा परेशान है। कहा कि इस सरकार में संविधान खतरे में है। हमारे अधिकारों को कुचलने की कोशिश की जा रही है। कार्यक्रम के बाद राहुल एनटीपीसी परियोजना के वीआईपी गेस्ट हाउस पहुंचे, जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोरी कर चुनाव जीती है। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने देश में एक करोड़ फर्जी वोट बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के बल पर ही कांग्रेस आगे बढ़ रही है। हम आप सभी के बदौलत परिवर्तन करेंगे। एक रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी के पहुंचते ही कांग्रेस पदाधिकारियों, प्रदेश सचिव अतुल सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मंच पर पहुंचते ही पूर्व विधायक अजय पाल सिंह ने संविधान की किताब भेंट की।

**चुनाव आयोग ने एक करोड़ फर्जी वोट बढ़ाए**

## बदले-बदले नजर आए भाजपा के मंत्री

राहुल गांधी के दौरे पर एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जो सियासी पंडितों के दिमाग में कई पहलू उलझा गई। मौका था दिशा की बैठक का। राहुल पहुंचे तो सामने हरचंदपुर ब्लॉक प्रमुख पीयूष प्रताप सिंह से आंखें टकरा गईं। मुलाकात हुई तो पीयूष आगे बढ़े और हंसकर राहुल गांधी से हाथ मिलाया। ठीक इसी समय किसी ने यह तस्वीर क्लिक कर ली। बता दें कि राहुल से हंसकर हाथ मिला रहे पीयूष प्रताप, दिनेश प्रताप सिंह के बेटे हैं। यानी जब बेटा नेता प्रतिपक्ष से हाथ मिला रहा था तो दिनेश सिंह भी इस दृश्य को देखकर प्रसन्न थे। यहां तक भी ठीक था, कि किसी बैठक में मिलने पर एक-दूसरे से हाथ मिला लिया जाता है। लेकिन, यह मुलाकात जिन परिस्थितियों में हुई, उससे यह तस्वीर चर्चा का विषय बन गई। पूरी परिस्थिति समझने के लिए आपको एक दिन पहले के घटनाक्रम पर नजर डालनी पड़ेगी। दरअसल, दिनेश प्रताप सिंह पहले कांग्रेस में थे। फिर उन्होंने भाजपा जॉइन कर लिया। यहां योगी सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का इनाम मिला। कांग्रेस में रहने के दौरान गांधी परिवार से उनके संबंध किसी से छिपे नहीं हैं। फिर जब राहुल रायबरेली की सीमा से जिले में प्रवेश कर रहे थे। इससे पहले यही भाजपा नेता जो तस्वीर में मुस्करा रहे हैं, वो राहुल गांधी गो बैक के नारे लगा रहे थे।

# विजय की पार्ट टाइम राजनीति नहीं चलेगी : अन्ना मलाई

## » दक्षिण की सियासत में उबाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। भाजपा नेता अन्नामलाई ने अभिनेता विजय की राजनीतिक सक्रियता पर सवाल उठाते हुए कहा है कि केवल सप्ताहांत में काम करने से उनकी पार्टी टीवीके द्रमुक का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने जोर दिया कि राजनीति में चौबीसों घंटे ऊर्जा की आवश्यकता होती है और भाजपा ही द्रमुक के लिए एकमात्र वास्तविक विकल्प है, क्योंकि उसके नेता और कार्यकर्ता साल भर सक्रिय रहते हैं। भाजपा नेता के अन्नामलाई ने कहा है कि अभिनेता-राजनेता विजय अपनी पार्टी टीवीके को डीएमके का विकल्प नहीं कह सकते, क्योंकि वह केवल सप्ताहांत में ही राजनीतिक रूप से सक्रिय होते हैं।

उन्होंने दावा किया कि राजनीति में चौबीसों घंटे ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा, जिसके नेता और कार्यकर्ता साल भर सक्रिय रूप से मैदान में मौजूद रहते हैं, अकेले ही द्रमुक का विकल्प पेश कर सकती है। अन्नामलाई ने कहा कि विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी भी राज्य भर में सक्रिय रूप से घूम रहे हैं और विभिन्न जिलों में रैलियों को संबोधित कर रहे हैं। विजय केवल सप्ताहांत में ही सक्रिय होते हैं। राजनीति को गंभीरता से लेना चाहिए और इसमें रोज़ाना शामिल होना चाहिए।

# लिटन दास के अर्धशतक से बांग्लादेश का जीत से आगाज

## » एशिया कप: हाँगकाँग को सात विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अबु धाबी। बांग्लादेश ने हाँगकाँग को सात विकेट से हराकर एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। गुरुवार को अबु धाबी में मौजूदा टूर्नामेंट का तीसरा मुकाबला खेला गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हाँगकाँग की टीम ने 20 ओवर में सात विकेट पर 143 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम ने कप्तान लिटन दास की अर्धशतकीय पारी के दम पर 17.4 ओवर में तीन विकेट पर 144 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। एशिया कप के इस संस्करण में यह हाँगकाँग की दूसरी शिकस्त है।

इससे पहले उन्हें अफगानिस्तान ने ग्रूप स्टेज के पहले ही मैच में 94 रन से रौंदा था। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज परवेज ने 19 रन बनाये। बीच के ओवरों में रन मुश्किल से बने। दास ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए यासिम मुर्तजा को छक्का लगाया और फिर दो चौके लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। दास 59 रन बनाकर अतीक इकबाल की गेंद पर बोल्ड हो गए लेकिन तौहीद ने टीम को विजयी रन तक पहुंचाया। लिटन का यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में चौथा अर्धशतक है। इसी के साथ ही वह बांग्लादेश के लिए टी20 एशिया कप में 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। इससे पहले नए कप्तान लिटन के साथ उतरी बांग्लादेश ने पहले गेंदबाजी करते हुए पावरप्ले में ही दबाव बना दिया था। तस्कीन ने अंशुमान रथ (चार) जबकि तंजीम ने बाबर हयात (14) को आउट किया। हाँगकाँग के कप्तान यासिम मुर्तजा ने 28 रन बनाये। उनकी इस पारी की मदद से ही टीम 140 रन के पार जा सकी।

### लिटन-तौहीद ने की तीसरे विकेट के लिए चौथी बड़ी साझेदारी

इस मैच में लिटन दास और तौहीद हृदोय ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों के बीच 95 रनों की साझेदारी हुई, जो टी20 एशिया कप की तीसरे विकेट या उससे नीचे के विकेट के लिए चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव के बीच श्रीलंका के खिलाफ 2022 में 97 रनों की पार्टनरशिप हुई थी। इस मामले में शीर्ष पर पाकिस्तान के शोएब मलिक और उमर अकमल हैं, जिनके बीच 2016 में यूएई के खिलाफ 114* रनों की सबसे बड़ी साझेदारी हुई थी। दूसरे स्थान पर किंग कोहली और सूर्यकुमार यादव की जोड़ी है, जिन्होंने 2022 में हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 98 रनों की नाबाद साझेदारी निभाई थी।

# खुली गुंडागर्दी पर उतरी बीजेपी : केजरीवाल

## » संजय सिंह के हाउस अरेस्ट पर भड़के आप संयोजक

## » पूर्व सीएम बोले - जनता की आवाज दबाई जा रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि उनके सांसद संजय सिंह को जम्मू-कश्मीर में हाउस अरेस्ट कर दिया गया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये बीजेपी खुली गुंडागर्दी पर उतर आई है। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला हमारे सांसद संजय सिंह से मिलने गेस्ट हाउस पहुंचे लेकिन पुलिस ने उन्हें मिलने तक नहीं दिया। इसी मामले पर जम्मू के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी प्रतिक्रि या दी।

अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार (11 सितंबर) को एक्स पोस्ट में कहा कि संजय सिंह को हाउस अरेस्ट कर रखा है। जनता की आवाज़ दबाई जा रही है, विपक्ष के नेताओं को कैद किया जा रहा है। वहीं जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह सच है कि संजय सिंह नजरबंद थे, और इसकी वजह सिर्फ ज़िम्मेदार लोग ही बता सकते हैं। इस तरह की हरकतें बार-बार हो रही हैं। एक तरफ कहा जाता है कि जम्मू-कश्मीर में सब ठीक है, माहौल शांतिपूर्ण है और लोग खुश हैं। लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग है।

### डोडा विधायक बिना कारण गिरफ्तार : उमर अब्दुल्ला

सीएम उमर ने कहा कि हमारे खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है और बिना किसी वाजिब कारण के कानून-व्यवस्था का दुरुपयोग किया जा रहा है। डोडा विधायक मेहराज मलिक पर लगाया गया पीएसए इसका एक और उदाहरण है, उन्हें बिना किसी वाजिब कारण के गिरफ्तार किया गया। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में मलिक की गिरफ्तारी के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए संजय सिंह श्रीनगर पहुंचे थे। डोडा से विधायक मेहराज मलिक पर जन सुरक्षा कानून (पीएसए) लगाया गया है।

### गोपाल राय भी बीजेपी पर भड़के

आप नेता गोपाल राय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला हमारे सांसद संजय सिंह से मिलने गेस्ट हाउस पहुंचे। मगर पुलिस ने मुलाकात नहीं होने दी। जनता की आवाज कुचली जा रही है, विपक्षी नेताओं को हिरासत में रखा जा रहा है, बीजेपी की तानाशाही अब खुलकर सामने आ रही है।

# सदन में अपमान से आहत हुए अपर नगर आयुक्त

## » शहर को देश में तीसरा स्थान दिलवाने में निभाई अहम भूमिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम की सदन बैठक में स्वच्छ भारत मिशन और शिवरी प्लांट में अहम भूमिका निभाने वाले अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने जिम्मेदारियों से खुद को मुक्त करने का अनुरोध किया है। डॉ. राव ने पत्र लिखकर नगर आयुक्त गौरव कुमार से कहा कि उन्हें स्वच्छ भारत मिशन, शिवरी प्लांट और उद्यान विभाग की जिम्मेदारियों से कार्यमुक्त किया जाए।

लेकिन पत्र में सदन की कार्यवाही से हुई कड़वाहट साफ झलक रही है। दरअसल, 9 सितंबर को सदन की बैठक में भाजपा पार्षद रणजीत सिंह और राजीव दीक्षित ने डॉ. राव पर आमर्यादित और व्यक्तिगत टिप्पणियां कीं। इससे आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया।

# बिहार वीडियो पॉलीटिक्स पर सियासी संग्राम

## मोदी और उनकी मां व कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के वीडियो पर बढ़ा बवाल, सांसद पप्पू यादव का बीजेपी पर हमला, बीजेपी ने कांग्रेस को घेरा

### » बोले- महिलाओं और गरीबों का अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं वहां की सियासत नए-नए रंग दिखा रहीं है। वहां पर राजग व इंडिया गठबंधन के बीच वीडियो के जरिये एक दूसरे वार-पलटवार जारी हो गया है। जहां बीजेपी की ओर से एक्स पर शेयर किए गए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक वीडियो पर सांसद पप्पू यादव फायर हो गए हैं।

शुक्रवार (12 सितंबर, 2025) को उन्होंने अपने एक्स हैंडल से शेयर किए गए वीडियो के स्क्रीनशॉट को लगाया और बीजेपी के साथ पीएम मोदी पर भी हमला किया। वहीं कांग्रेस ने पीएम मोदी और उनकी मां के संदर्भ में एक विवादित एआई वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया हैबीजेपी ने इस वीडियो को पीएम मोदी की मां, महिलाओं और गरीबों का अपमान बताया और कांग्रेस की कड़ी आलोचना की

हैकांग्रेस के इस वीडियो में पीएम मोदी को सोते हुए और उनकी मां द्वारा डांटते हुए दिखाया गया है।

### बीजेपी के 5 उपमुख्यमंत्री एक भी दलित नहीं : पप्पू यादव

सांसद पप्पू यादव ने लिखा, बीजेपी को कांग्रेस का दलित अध्यक्ष बर्दाश्त नहीं हो रहा है! वह इतने बड़े दिग्गज राजनेता को पागल बता दलितों का अपमान कर रही है, यह नाकाबिले बर्दाश्त है, बीजेपी को दलितों से नफरत है, आज तक बिहार में एक दलित को प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनाया, बिहार में बीजेपी के पांच उपमुख्यमंत्री में से एक दलित नहीं। देश के तेरह राज्यों में बीजेपी के मुख्यमंत्री हैं पर एक भी दलित नहीं है।

### देश नहीं सहेगा खरगे साहब का अपमान

पप्पू यादव आगे लिखते हैं, जब से कांग्रेस ने देश में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे साहब और बिहार में प्रदेश अध्यक्ष रविदास समाज के राजेश राम जी को बनाया है. वह नफरत में जल भुन गई है। हर दिन कांग्रेस के दलित राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपमानित कर रही है। मोदी जी देश दिग्गज दलित नेता खरगे साहब का अपमान नहीं सहेगा, आप खरगे साहब और देश के दलितों से माफी मांगिए।

### कांग्रेस के नेताओं को इस वीडियो के लिए माफी मांगनी चाहिए : शाहनवाज हुसैन

बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने इस वीडियो को लेकर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक बार फिर पीएम मोदी की मां का अपमान कर रही है। यह अब गांधी की कांग्रेस नहीं रही, यह गालियों वाली कांग्रेस बन गई है। बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस को इस वीडियो को लेकर शर्म आनी चाहिए उन्होंने एक बार फिर पीएम मोदी की मां, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं, उनका अपमान किया है। कांग्रेस के नेताओं को इस वीडियो के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि इस मुद्दे का जानबूझकर राजनीतिकरण किया जा रहा है ऐसा करना सही नहीं है।

### इस एआई वीडियो ये है

आपको बता दें कि बिहार कांग्रेस ने जो एआई वीडियो जारी किया है उसमें पीएम मोदी को सोते हुए दिखाया गया है। इसी दौरान पीएम मोदी की मां आती हैं और उन्हें डांटती हैं. इस वीडियो में जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है उसे लेकर ही विवाद हो रहा है। पिछले महीने जब राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के अन्य सहयोगियों के साथ बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे थे तो उस दौरान दरभंगा में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी और उनकी मां को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था।

### बीजेपी के शेयर किए गए वीडियो में ये है?

बीजेपी के एक्स हैंडल से जो वीडियो शेयर किया गया है वो 10 सितंबर की तारीख का है, इस वीडियो को शेयर करते हुए बीजेपी ने लिखा है- नेशन टू खरगे जी- तू इसके साथ मत रह, तू पागल हो जाएगा, वीडियो में मल्लिकार्जुन खरगे यह कह रहे हैं, राहुल गांधी ने इस देश को एक रखने के लिए गोलियां खाई उनके शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गए।

# दिल्ली व बॉम्बे हाईकोर्ट को मिली बम की धमकी, परिसर खाली कराया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। दिल्ली के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मौके पर बम निरोधक दस्ता पहुंच रहा है। फिलहाल पूरे परिसर को खाली कराया जा रहा है। पुलिस चप्पे-चप्पे की तलाशी ले रही है। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट में बम की धमकी मिलने से वकीलों और न्यायाधीशों दोनों में ही दहशत फैल गई। न्यायाधीश अचानक उठकर खड़े हो गए।

यह अफरा-तफरी एक ईमेल के बाद हुई, जिसके जरिए न्यायालय प्रशासन को उच्च न्यायालय पर हमले की धमकी मिली। इसके बाद पुलिस और अन्य एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक, यह ईमेल महापंजीयक को सुबह लगभग 8.39 बजे मिला और कुछ न्यायाधीशों को इसकी सूचना दी गई। बम निरोधक दस्ता भी उच्च न्यायालय परिसर में दिल्ली हाईकोर्ट में जब न्यायाधीश कार्यवाही कर रहे थे, तभी उनके न्यायालय कर्मचारी आए और उन्हें बम की धमकी वाले



ईमेल के बारे में बताया, जिसके बाद वे अदालत कक्षों से बाहर निकल गए। कुछ न्यायाधीश सुबह लगभग 11.35 बजे उठना शुरू हुए, जबकि अन्य दोपहर 12 बजे तक अपनी-अपनी अदालतें चलाते रहे। एक बम निरोधक दस्ता भी उच्च न्यायालय परिसर में पहुंचा।

परिसर सुरक्षा बढ़ा दी गई और अदालत परिसर में मौजूद सभी लोगों को बाहर निकलने को कहा गया। पुलिस ने बताया कि सुबह एक पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें अदालत परिसर में बम होने का दावा करने वाले एक ईमेल के बारे में बताया गया।

# सीएम आवास के करीब युवक ने खाया जहर, मौत

### » खुली हाई सिक्योरिटी जोन की सुरक्षा की पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाई सिक्योरिटी जोन की सुरक्षा की पोल एकबार फिर खुल गई है। सीएम आवास के पास नशीला पदार्थ खाने वाले अजय कुमार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल की मोर्चरी भेजा। लामार्ट चौराहे के बगल में एक व्यक्ति की तबियत खराब है, जिसे उल्टी हो रही है।

तत्काल थाना स्थानीय पुलिस जब मौके पर पहुंची तो जानकारी हुयी कि अजय कुमार उर्फ धर्मेश कुमार उम्र करीब 45 वर्ष निवासी ग्राम तातारपुर कोतवाली नगर जिला बुलंदशहर आए हुए हैं। प्रथमदृष्टया अजय कुमार जहरीला पदार्थ खाने की बात बता रहे हैं। जिन्हें तत्काल क्यूआटी वाहन द्वारा इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया,



जहां कुछ देर के बाद डॉक्टरों ने यूवक को मृत घोषित किया। प्रथमदृष्टया अजय कुमार उपरोक्त से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि वर्ष 2014 में उन्होने एक आटा चक्की लगाई थी। दिनांक 07/05/2014 को अधिक लोड के कारण वहां का ट्रांसफार्मर जल गया था, दूसरा ट्रांसफर लगवाने के बाद एक घंटा चलने के उपरांत दोबारा जल गया, जिससे बिजली विभाग द्वारा इनको 70 प्रतिशत राशि जमा करने के लिए कहा गया, जिसकी वजह से अभी तक इनका आटा चक्की बंद है। जनपद बुलन्दशहर पुलिस से संपर्क किया जा रहा है।

# राजनीतिक दलों के नियमन को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को उस याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गया जिसमें धर्मनिरपेक्षता, पारदर्शिता और राजनीतिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए नियम बनाने हेतु भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश देने की मांग की गई थी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा व्यक्तिगत रूप से दायर याचिका पर केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और भारतीय विधि आयोग को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति कांत ने नोटिस जारी करने की इच्छा जताते हुए बताया कि याचिका में किसी भी राजनीतिक दल को पक्षकार नहीं बनाया गया है।

# सीपी राधाकृष्णन ने संभाला उपराष्ट्रपति का पदभार

### » राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिलाई शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई। यह समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया, जहाँ राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। लाल कुर्ता पहने राधाकृष्णन ने ईश्वर के नाम पर अंग्रेजी में शपथ ली। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद धनखड़ पहली बार सार्वजनिक रूप से इस समारोह में शामिल हुए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को उपराष्ट्र पति सीपी राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई। यह समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया, जहाँ राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। लाल कुर्ता पहने राधाकृष्णन ने ईश्वर के नाम पर अंग्रेजी में शपथ ली। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा

### मोदी, खरगे, धनखड़ अंसारी रहे मौजूद रहे

इस खास समारोह में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व राष्ट्रपति वैंकैया नायडू, हामिद अंसारी और जगदीप धनखड़ समेत कई बड़ी हस्तियां मौजूद रहीं। लेकिन लोकसभा में नेपा विपक्ष राहुल गांधी ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाई रखी। उनके इस फैसले को लेकर अब विवाद हो गया है। बीजेपी ने राहुल गांधी पर निशाना साथा है. सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी आज गुजरात के दौरे पर जा रहे हैं। जहां वह पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होंगे. इस वजह से वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

### नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के न आने पर बीजेपी ने साधा निशाना

बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी भारतीय संविधान से नफ़रत करते हैं! राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र से नफ़रत करते हैं! राहुल गांधी ने उपराष्ट्रपति के आधिकारिक शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार किया! कुछ दिन पहले उन्होंने लाल किले पर भारत की आज़ादी के जश्न का बहिष्कार किया था! क्या एक ऐसा व्यक्ति जो भारत के स्वतंत्रता दिवस और संवैधानिक गणमान्य व्यक्ति के शपथ ग्रहण समारोह का तिरस्कार करता है, सार्वजनिक जीवन में रहने के योग्य हो सकता है? राहुल गांधी के पास मलेशिया में छुट्टियां मनाने का समय है, लेकिन आधिकारिक संवैधानिक समारोह में जाने का नहीं! राहुल गांधी भारत के लोकतंत्र के लिए खतरनाक हैं! राहुल गांधी भारतीय राज्य का विरोध करते हैं!

अपनी जीत के बाद, राधाकृष्णन ने गुरुवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने नई नियुक्ति होने तक गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।